7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 व्यवस्था पर उठ रहा सवाल

5 शारदा का रौद्र रूप

8 रोहित ने तोड़ी चुप्पी

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 04 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 22 जुलाई, 2024

आज से सावन शुरू

12 ज्योतिलिंगों में ज्योति स्वरूप विराजित हैं भोले भंडारी

लखनऊ,संवाददाता। आज से सावन का पवित्र महीना प्रारंभ हो गया है। सुबह से ही देशभर के शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ जुटी है। शिवलिंग पर जलाभिषेक और पूजा–अर्चना जारी है। सोमवार का दिन महादेव की पूजा को समर्पित है। इस दिन भोलेनाथ की विधि–विधान से पूजा करने पर शुभ फलों की प्राप्ति होती हैं। मान्यता है कि सोमवार के दिन शिव जी की पूजा करने पर रुके हुए कार्यों को गति मिलती है और तरक्की के भी योग बनते हैं। वहीं सावन में आने वाले सभी सोमवार का अधिक महत्व माना जाता है, क्योंकि देवों के देव महादेव का यह प्रिय महीना होता है। इस साल 22 जुलाई 2024 से सावन माह की शुरुआत होने वाली है, जिसका समापन 19 अगस्त 2024 के दिन होगा। इस पूरे माह के सभी दिनों को भोले बाबा की पूजा के लिए शुभ माना जाता है। इस दौरान उनकी पूजा करने से मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती हैं।

सावन में सुहागिनें वैवाहिक जीवन में खुशहाली के लिए उपवास रखती है, तो वहीं कन्याएं भी अच्छे वर के लिए सोमवार व्रत रखती हैं। इस दौरान भोलेनाथ की कृपा पाने के लिए भक्तजन कई उपाय भी करते हैं, जिससे कष्टों का निवारण होता है। सावन में शिवलिंग की पूजा का खास महत्व होता है। मान्यता है कि इसकी पूजा करने व्यक्ति की सभी मनोकामना पलक झपकते पूरी होती है। ऐसे में आइए शिवलिंग की सही पूजा विधि के बारे में जान लेते हैं।सावन का महीना हिंदू पंचांग का पांचवां महीना होता है। यह महीना भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे श्रेष्ठ माना जाता है।

जिसमें भगवान शिव की पूजा–उपासना करने पर हर तरह की मनोकामनाएं जल्द ही पूरी होती हैं। इस बार 22 जुलाई से सावन का महीना आरंभ हो रहा है। हिंदू धर्म ग्रंथों में सावन के महीने को श्रावण के नाम से भी जाना जाता है। इस माह कथा सुनने और देवों के देव महादेव की विशेष पूजा का खास महत्व होता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन के महीने में शिवलिंग की पूजा और मंदिरों में भोलेनाथ के दर्शन करने पर भोलेनाथ की विशेष कृपा मिलती है। इसके अलावा सावन के महीने में देशभर में स्थित सभी 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन और पूजा–आराधना करने का विशेष महत्व होता है। हिंदू धर्म में भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंग की पूजा का बहुत ज्यादा महत्व माना गया है।

इनका धार्मिक और पौराणिक महत्व....

1– सोमनाथ ज्योतिर्लिंग

देश के 12 प्रमुख ज्योतिर्लिंग में गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित सोमनाथ ज्योतिर्लिंग को पहला ज्योतिर्लिंग माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार जन्म कुंडली में मौजूद चंद्रमा के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की पूजा और दर्शन अत्यंत फलदायक होते हैं।

2– मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग

आंध्र प्रदेश में स्थित मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग को दक्षिण भारत का कैलाश भी कहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग भगवान शिव और माता पार्वती का संयुक्त रूप है।

3– महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले में स्थित है। महाकालेश्वर को कालों का काल महाकाल नाम से जाना जाता है। यह ज्योतिर्लिंग क्षिप्रा नदी के किनारे स्थित है।

4– ओमकारेश्वर ज्योतिर्लिंग

इस ज्योतिर्लिंग के बारे में ऐसी मान्यता है कि भगवान भोलनाथ तीनों लोकों का भ्रमण करने के बाद हर रात को यहां पर विश्राम करने के लिए आते हैं। इस स्थान पर भगवान शिव और माता पार्वती चौसर खेलते हैं।

5– केदारनाथ ज्योतिर्लिंग

केदारनाथ धाम भगवान शिव को बहुत ही प्रिय होता है। केदारनाथ का वर्णन स्कन्द पुराण एवं शिव पुराण में मिलता है। केदारनाथ धाम को ऊर्जा का बड़ा केंद्र माना जाता है।

6– भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग

इस ज्योतिर्लिंग में स्थापित शिवलिंग काफी बड़ा और मोटा है। जिसकी वजह से इस मोटेश्वर महादेव के नाम से भी जाना जाता है।

7– काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में काशी विश्वनाथ का स्थान काफी विशेष है। ऐसी मान्यता है कि काशी नगरी भगवान शिव के त्रिशूल पर टिकी हुई है। सावन के महीने में भगवान शिव के दर्शन के लिए देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु काशी विश्वनाथ पहुंचते हैं। स्कन्द पुराण के अनुसार जो प्रलय में भी लय को प्राप्त नहीं होती,आकाश मंडल से देखने में ध्वज के आकार का प्रकाश पुंज दिखती है वह काशी अविनाशी है।

8– त्र्यम्बकेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित है। कालसर्प दोष के निवारण के लिए इस ज्योतिर्लिंग का विशेष महत्व होता है। इस ज्योतिर्लिंग में तीन छोटे–छोटे शिवलिंग है जो त्रिदेव के प्रतीक माने जाते है।

9– वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग झारखंड के देवघर में स्थित है। इस स्थान को रावणेश्वर धान के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान पर रावण ने भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न के लिए अपने 9 सिरों को काटकार शिव जी को अर्पित कर दिया। तब भगवान शिव ने प्रसन्न होकर रावण का वरदान दिया था।

10– नागेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग गुजरात के द्वारका में स्थित है। शिवपुराण के अनुसार शिवजी का एक नाम नागेशं दारुकावने भी है। नागेश्वर का अर्थ होता है नागों का ईश्वर।

11– रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग

शिव पुराण के अनुसार रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग का निर्माण स्वयं भगवान श्रीराम ने किया था। भगवान राम के द्वारा बनाए जाने के कारण इस ज्योतिर्लिंग का नाम रामेश्वरम पड़ा। ऐसी मान्यता है कि लंका पर विजय हासिल करने के बाद भगवान राम ने समुद्र तट पर बालू से शिवलिंग बनाकर स्वयं पूजा की थी।

12– घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित है। इस ज्योतिर्लिंग को घृसणेश्वर या घुश्मेश्वर के नाम से भी जाना जाता है।

ससुराल में शख्स की गला काटकर हत्या, दवा लेने निकला था अच्छे लाल, मर्डर के पीछे सामने आ रही ये वजह

संवाद न्यूज़ एजेंसी, मदनपुर/बरहजत्र। गोरखपुर जिले के बड़हलगंज गोला के छोटी देवरी निवासी अच्छे लाल पासवान (40) 10 दिन पहले अपने ससुराल में चिखुरी पासवान के घर टड़वा गांव में गए थे। 12 जुलाई को उनके साले के लड़के की शादी थी। ससुराल में एक युवक की गला काटकर हत्या कर दी गई। वह रविवार की शाम ससुराल से दवा लेने चौराहे की तरफ निकला था। घटना के पीछे मृतक के घर जमीन का विवाद बताया जा रहा है। घटना रुद्रपुर मदनपुर रोड के स्थित टड़वा गांव में हुई। मृतक 10 दिन से ससुराल में था। वह गोरखपुर जिले के बड़हलगंज गोला थाना क्षेत्र के छोटी देवरी गांव का निवासी है। गोरखपुर जिले के बड़हलगंज गोला के छोटी देवरी निवासी अच्छे लाल पासवान (40) 10 दिन पहले अपने ससुराल में चिखुरी पासवान के घर टड़वा गांव में गए थे। 12 जुलाई को उनके साले के लड़के की शादी थी। जिसमें वह अपनी पत्नी केवली देवी और बच्चे राज, शिव, राजन, प्रीति और सोनी के साथ शामिल होने गए थे। शादी के बाद बीच में वह दो दिन के लिए अपने ननिहाल करमेल चले गए थे।

परिजनों के अनुसार रविवार की शाम वह घर से पत्नी की दवा लेने के लिए बोलकर निकले। शाम करीब सात बजे रुद्रपुर मदनपुर मार्ग एक आटा चक्की के पीछे तीन युवकों के साथ उन्हें बैठे देखा गया। कुछ देर बाद वह खून से लथपथ सड़क की तरफ भागे और गिर गए। धारदार हथियार से उनके गले और पेट पर वार किया गया था। व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने को मेडिकल कॉलेज देवरिया भेज दिया। सीओ अंशुमन श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना का कारण पता किया जा रहा है।

जमीन विवाद बताई जा रही हत्या की वजह

मदनपुर के टड़वा गांव में ससुराल में आए युवक की हत्या के पीछे उसके घर में भाई और पिता से जमीन का विवाद होना बताया जा रहा है। लोग नशे में हत्या को अंजाम देने की आशंका जता रहे हैं। मृतक मुंबई में रहकर मजदूरी का काम करता था। वह अगले सप्ताह मुंबई जाने वाला था। गोरखपुर जिले के बड़हलगंज गोला के छोटी देवरी निवासी अच्छे लाल पासवान का घर में बंटवारे को लेकर विवाद बताया जा रहा है। परिजनों के अनुसार जिसको लेकर दो बार विवाद भी हो चुका है। विवाद करने वाले लोगों ने हत्या की धमकी भी दी थी। मृतक घर से निकलने से पहले मोबाइल घर पर छोड़ दिया था। उसे चौराहे पर आटा चक्की के पीछे तीन युवकों के साथ बैठे देखा गया। करीब 20 मिनट बाद वह खून से लथपथ होकर सड़क की तरफ भागा और गिर गया। लोग कुछ समझ पाते हैं, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पत्नी केवली देवी ने पुलिस को परिवार में जमीन के विवाद में हत्या करने का आरोप लगाया है।

सम्पादकीय

ट्रम्प पर हमलाः हिंसामुक्त हो राजनीति

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति एवं आगामी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के सम्भावित प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रम्प पर हमला बहुत चिंताजनक है। निन्दनीय तो है ही। भारतीय समयानुसार सुबह 4 बजे उन पर तब गोलियां चलाई गईं जब वे पेन्सिलवानिया राज्य के बटलर शहर में अपने समर्थकों को सम्बोधित कर रहे थे। वह अमेरिका की शनिवार की शाम थी। एक युवा ने उन पर ताबड़तोड़ तकरीबन 8 गोलियां चलाईं जिनमें से एक उनके दांये कान को छूती हुई निकल गयी जिसके कारण उनका चेहरा लहूलुहान हो गया। हालांकि ट्रम्प ने बेहद फुर्ती व समझदारी से स्वयं को पोडियम के नीचे बैठकर सुरक्षित कर लिया। सुरक्षाकर्मियों ने भी त्वरित एक्शन लेते हुए उन्हें पहले सुरक्षा दी फिर उन्हें कार में बिठाकर अस्पताल पहुंचा दिया। दूसरी तरफ उनके एक स्नाइपर ने हमलावर को ढेर कर दिया। इस 20 वर्षीय हमलावर की एआर–15 राइफल मिली है। जांच से पता चलेगा कि उसका मकसद क्या था और इस षड़यंत्र में कौन लोग या संगठन शामिल थे। रैली में शामिल एक व्यक्ति की मौत हो गयी और दो घायल हुए हैं। हमलावर की अमेरिकी राजनीति में दिलचस्पी भी उजागर हुई है।

लम्बे समय बाद अमेरिका सर्वोच्च पद पर आसीन या रह चुके किसी व्यक्ति के साथ ऐसी हिंसा देख रहा है। अब्राहम लिंकन की 1865 में एवं जॉन एफ. कैनेडी की 1968 में हत्या हुई थी। 1972 में राष्ट्रपति उम्मीदवार ज़ॉर्ज सी. वैलेस पर एक शॉपिंग सेंटर में गोलियां चलाई गयी थीं। इसके बाद वे जीवन भर व्हील चेयर पर ही रहे। ट्रम्प वर्तमान में तो दुनिया के सबसे ताकतवर पद को नहीं सम्हाल रहे हैं परन्तु एक बार वे राष्ट्रपति रह चुके हैं। बहुत मुमकिन है कि वे इस बार फिर से अपनी पार्टी के प्रत्याशी हो सकते हैं जिसका उन्होंने दावा पेश कर ही दिया है और उन्हें उनकी पार्टी में बड़ा समर्थन भी है। पद पर न रहते हुए भी वे देश और दुनिया की राजनीति के एक तरह से केन्द्र में हैं। उनकी हत्या की साजिश का कारण अमेरिका का कोई भीतरी मसला या फिर अंतरराष्ट्रीय मुद्दा हो सकता है।

जो भी हो, यह घटना एक बार फिर से इस बात को प्रतिपादित करती है कि हिंसा किसी भी मकसद के लिये नहीं अपनाई जानी चाहिये और वह किसी भी समस्या का हल नहीं है। बेशक ट्रम्प का कार्यकाल कई विवादों से घिरा रहा और उन पर अनेक तरह के आरोप लगे हैं। निजी जीवन से लेकर उनकी व्यवसायिक गतिविधियों तथा यहां तक कि राजनीतिक जीवन में भी वे कई विवादों से घिरे हैं। पिछले चुनावों में जब वे जो बाइडेन से राष्ट्रपति का चुनाव हार गये थे तब भी उन्होंने बहुत आसानी से सत्ता का हस्तातंरण नहीं किया था। यहां तक कि कैपिटल हिल पर (जहां अमेरिकी प्रशासन का मुख्यालय है) उनके समर्थकों ने एक तरह से धावा ही बोल दिया था और वहां की पुलिस तथा सुरक्षा कर्मियों को शांति स्थापित कर सत्ता हस्तांतरण कराने में खासी मशक्कत करनी पड़ी थी। वे अमेरिकी इतिहास के ऐसे पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक मामलों में सजा सुनाई गई है। उन पर व्यापारिक दस्तावेजों में हेरफेर का दोषी माना गया है।

इस अवसर पर यह सोचे जाने की आवश्यकता है कि दुनिया का सबसे ताकतवर रह चुका इंसान और जो फिर से राष्ट्रपति हो सकता है वह भी सुरक्षित नहीं है तो जनसामान्य की बात ही क्या की जाये। इस घटना को केवल अमेरिका के सन्दर्भ में नहीं वरन वैश्विक शांति व अहिंसा के नज़रिये से देखे जाने की जरूरत है। भारत में महात्मा गांधी, दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला एवं स्वयं अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग, सीनियर व जूनियर दोनों ने इसी अहिंसा की वकालत की थी। हिंसा का मूल नफ़रत में है। ट्रम्प उन राष्ट्राध्यक्षों में माने गये हैं जिनकी राजनीति का आधार यही घृणा एवं हिंसा की वकालत है। पिछले चुनाव की प्रचार रैलियों में वे अपने प्रतिद्वंद्वी बाइडेन का अक्सर भद्दा मज़ाक उड़ाते भी नज़र आते थे। यह भी नफरत का ही एक प्रकार कहा जा सकता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जिस थॉमस मैथ्यू क्रूक्स नामक युवक ने ट्रम्प पर गोलियां चलाईं और जिसे सीक्रेट सर्विस एजेंट ने तत्काल मार गिराया वह स्वयं रिपब्लिकन पार्टी का समर्थक था। हालांकि उसके बारे में यह भी पता चला है कि उसने एक बार विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी को 15 अमेरिकी डॉलर का चंदा भी दिया था।

दिलचस्प तथ्य यह है कि डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका की गन लॉबी के बड़े समर्थक हैं। उन्होंने यह भी वादा कर रखा है कि अगर वे फिर से राष्ट्रपति बनते हैं तो वे लोगों द्वारा हथियार रखने पर बाइडेन के लगाये प्रतिबन्धात्मक नियमों को शिथिल कर देंगे। यानी कि लोग अधिक आसानी से निजी बन्दूकें व पिस्तौलें रख सकेंगे। यह तथ्य भी अपनी जगह पर बना हुआ है कि दुनिया में नागरिकों के नाम पर सर्वाधिक अनुमति प्रदान करने वाला देश अमेरिका ही है। इसके कारण कई बार सार्वजनिक स्थानों पर अंधाधुंध फायरिंग की खबरें आती रहती हैं। यहां तक कि स्कूलों में छोटे बच्चे तक अपने सहपाठियों पर गोलियां बरसा देते हैं। आपस में सामान्य सी कहा–सुनी में भी लोगों द्वारा जान ली या दी जाती है। इसका कारण भी यही है कि हर दूसरे, तीसरे व्यक्ति के हाथों में कोई तमंचा या बन्दूक है और उनकी उंगलियां ट्रिगर दबाने को बेताब रहती हैं। कोई भी समाज तब तक अहिंसक नहीं हो सकता जब तक कि सरकारें अहिंसा में भरोसा न करने लगें और ऐसा समाज बनाने का प्रयास न करें।

2024–25 के बजट में आम संघर्षरत लोगों के लिए कोई राहत की उम्मीद नहीं

बुनियादी ढांचे और शहरीकरण तथा अन्य पर पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) बढ़ाने की समस्याएं, व्यापार बाधाओं को दूर करना, जीएसटी के दुरुपयोग से उत्पन्न समस्याएं आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिनका सामना सरकार कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पूर्व परामर्श के तहत बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बड़े उद्योग चाहते हैं कि सरकार 'शहरीकरण' में तेजी लाने के लिए कदम उठाये। नरेंद्र मोदी सरकार 22 जुलाई से 12 अगस्त तक चलने वाले बजट सत्र में 23 जुलाई को अपने तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करेगी। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से व्यापक रूप से उम्मीद की जा रही है कि वह 'सुधारों' का दावा करते हुए अपनी नीति को जारी रखेगी।

पिछले दशक में बजट और आर्थिक नीतियों की द्वंद्वात्मकता ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर वित्तीय कॉरपोरेट्स के पहले से ही बड़े पैमाने पर कब्जे को और मजबूत करने का काम किया है। हालांकि यह हमारी जीवंत अर्थव्यवस्था के लिए विनाश का संकेत है, लेकिन इस बार यह इतना आसान नहीं हो सकता है, क्योंकि भाजपा अल्पमत में है और बिहार और आंध्र प्रदेश के उसके सहयोगी रियायतें पाने के लिए उसके गले पर सवार हैं। वित्त मंत्री को कुछ हद तक मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। पिछले महीने संसद के दोनों सदनों को संयुक्त संबोधन में हमारे राष्ट्रपति ने दावा किया था कि बजट 'कई ऐतिहासिक कदमों से चिह्नित' होगा। 4 जून को चुनाव परिणामों के बाद से, आधिकारिक आर्थिक और राजनीतिक हलकों में केवल एक ही बात चल रही हैः इक्विटी और शेयर बाजार 'तेजी' के साथ पागल हो रहे हैं। बड़े व्यवसाय बड़े पैमाने पर सट्टा अवसरों के उन्माद में जकड़े हुए हैं। एनडीए गठबंधन के चुनावों में नेतृत्व करने के बाद निफ्टी और बीएसई आसमान छू गये। कागज़ात शेयर बाजारों और व्यावसायिक दिग्गजों के मुनाफे के आंकड़ों से भरे पड़े हैं, जिसमें उत्पादन और विनिर्माण को लगभग पूरी तरह से बाहर रखा गया है, जो इस तथ्य को दर्शाता है कि लोगों और उत्पादक अर्थव्यवस्था के लिए कुछ भी नहीं किया जा रहा है। बुनियादी ढांचे और शहरीकरण तथा अन्य पर पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) बढ़ाने की समस्याएं, व्यापार बाधाओं को दूर करना, जीएसटी के दुरुपयोग से उत्पन्न समस्याएं आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिनका सामना सरकार कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पूर्व परामर्श के तहत बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बड़े उद्योग चाहते हैं कि सरकार 'शहरीकरण' में तेजी लाने के लिए कदम उठाये। यह एमएसएमई और अन्य विनिर्माण को छोड़कर शहरी भूमि और संपदा सट्टेबाजी में बड़े पैमाने पर उत्पादक पूंजी के जाने को दर्शाता है। उद्योग का एक अन्य वर्ग, विशेष रूप से एमएसएमई, औद्योगिक उत्पादन और बिक्री को प्रभावित करने वाली जीएसटी की उच्च और जटिल दरों के बारे में शिकायत कर रहा है। अर्थव्यवस्था के विपरीत ध्रुव पर एक स्वाभाविक परिणाम निवेश में तेज और बड़ी गिरावट है। बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा विश्लेषित सीएमईआई आंकड़ों से पता चलता है कि जून में समाप्त होने वाली तिमाही में विनिर्माण निवेश 20 साल के निचले स्तर पर गिरकर केवल 44300 करोड़ रुपये रह गया। इससे पहले सबसे कम स्तर जून 2005 में था। यह चौतरफा आर्थिक 'विकास' के बड़े–बड़े दावों के बावजूद था।

फिर भी, भारत की बड़ी कंपनियों ने इस साल की पहले छह महीनों में इक्विटी बाजार में रिकॉर्ड2.5 लाख करोड़ रुपये (30अरब डॉलर) जुटाये हैं, जो जनवरी–जून की अवधि के लिए अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह पिछले साल की इसी अवधि की राशि से दोगुना है। अडानी और अंबानी भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीयकरण और सट्टा प्रकृति के प्रतीक बन गये हैं। अरबपति गौतम अडानी समूह देश के सबसे बड़े मुंद्रा बंदरगाह पर जहाज बनाने की तैयारी कर रहा है, जिसमें सरकार उनकी सेवा में है। भारत शीर्ष दस जहाज निर्माण कंपनियों वाले देशों में से एक बनना चाहता है, और सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कीमत पर अडानी से बेहतर कोई विकल्प नहीं दिखता। वर्तमान में भारत दुनिया में 20वें स्थान पर है।

यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि अडानी की जहाज निर्माण योजनाओं को पहले रिपोर्ट नहीं किया गया था, जिसे मुंद्रा बंदरगाह के लिए 45000 करोड़ रुपये के विस्तार योजना में छिपा दिया गया था। पर्यावरण को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया जायेगा, लेकिन पर्यावरण और तटीय विनियमन क्षेत्र की मंजूरी पहले ही प्रबंधित की जा चुकी है। अडानी ने इस तथ्य का लाभ उठाया है कि चीन, दक्षिण कोरिया और जापान में यार्ड 2028 तक बुक हैं, जिससे वैश्विक खिलाड़ी भारत की ओर देखने को मजबूर हैं। लेकिन भारत सरकार ने इस स्थिति का उपयोग सार्वजनिक क्षेत्र के बंदरगाहों और यार्डों को दरकिनार करने के लिए किया है। महाराष्ट्र तट पर वधावन में एक और योजनाबद्ध बहुत बड़ा बंदरगाह बनाया जायेगा, जिसे दुनिया भर के दस सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक माना जाता है। पीपीपी के तहत अनुमानित 76000 करोड़ रुपये की परियोजना में से 37244 करोड़ रुपये निजी क्षेत्र द्वारा दिये जायेंगे। यह दुर्लभ मैंग्रोव, आर्द्रभूमि आदि को बड़े पैमाने पर नष्ट कर देगा। भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह 'समुद्री भूमि' है।

आखिर हमारे डॉक्टरों को क्या बीमारी है

मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाने में बहुत कठोरता थी। शिक्षक अपने छात्रों पर पूरा ध्यान देते थे और हर एक को व्यक्तिगत रूप से जानते थे। कक्षाएं तय समय के अनुसार आयोजित की जाती थीं। यह सख्ती कमज़ोर होती जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यशालाओं में कई डॉक्टरों ने कहा कि कॉलेज में उनकी उपस्थिति मायने नहीं रखती, वे 'घर में ही रहते हैं' और वह भी कई हफ़्तों तक रहते हैं।

स्वास्थ्य सेवा के 'व्यवसायीकरण' पर आवाज़ें उठ रही हैं। अनेक कहानियां सामने आ रही हैं। हाल ही में किडनी प्रत्यारोपण के बारे में आई रिपोर्ट इसका एक उदाहरण है। लगता है कि इस स्थिति के जवाब में भारतीय न्याय संहिता इस 'डॉक्टर्स डे' पर लागू हुई, जिसमें लापरवाही का दोषी पाए जाने पर डॉक्टरों को जेल की सज़ा का प्रावधान है। नीट परीक्षा में कई त्रुटियों और पीजी प्रवेश परीक्षाओं के स्थगन ने भारत में चिकित्सा शिक्षा की ओर देश का ध्यान आकर्षित किया है। जैसे–जैसे हम परीक्षा प्रक्रियाओं का पुनर्निर्माण करना शुरू करते हैं, यह देखना उचित होगा कि और क्या करने की आवश्यकता है ताकि हमारे डॉक्टर अपने काम में शीर्ष पर रहें।ग्रामीण आदिवासी राजस्थान में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के हमारे दशक भर के काम में हमने बड़ी संख्या में युवा डॉक्टरों के साथ काम किया है और सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में काम करने वाले कई लोगों से बातचीत की है। हमने डॉक्टरों को ग्रामीण भारत की वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए कई कार्यशालाएं भी आयोजित की हैं। इनके आधार पर हम कुछ प्राथमिकताएं साझा करते हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

एक लोकप्रिय शिकायत यह है कि पुराने ज़माने के एमबीबीएस डॉक्टर आज के समय के डॉक्टरों से ज़्यादा चिकित्सा के बारे में जानते थे और वे स्वतंत्र रूप से मरीजों को देख सकते थे। हममें से बहुतों को याद होगा कि डॉक्टर ब्रीफ़केस लेकर हमारे घर आते थे, बीमारों को देखते थे और वहीं पर इलाज करते थे। वे लगभग गायब हो चुके हैं। मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाने में बहुत कठोरता थी। शिक्षक अपने छात्रों पर पूरा ध्यान देते थे और हर एक को व्यक्तिगत रूप से जानते थे। कक्षाएं तय समय के अनुसार आयोजित की जाती थीं।

यह सख्ती कमज़ोर होती जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यशालाओं में कई डॉक्टरों ने कहा कि कॉलेज में उनकी उपस्थिति मायने नहीं रखती, वे 'घर में ही रहते हैं' और वह भी कई हफ़्तों तक रहते हैं। उन्होंने दुख जताया कि उनके शिक्षकों के पास उनके लिए बहुत कम समय है। 'लोग सिर्फ़ मुंह हैं, कान नहींच, यह बात हम अक्सर सुनते हैं। 'आपका काम मरीज़ों का इलाज करना है, सहानुभूति दिखाना नहीं'– एक वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ ने एक बार उनमें से एक को यह कहकर डांटा था।

हम निजी मेडिकल कॉलेजों से भी कहानी का दूसरा पहलू सुनते हैं। डॉक्टर बनने वाले लोग बहुत अमीर परिवारों से आते हैं, आलीशान कारों में घूमते हैं, अपनी कक्षाओं में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। उनमें से कई के अभिभावकों ने नर्सिंग होम या अस्पताल बना लिए हैं, जहां उनके बच्चे पढ़ाई पूरी कर आने के बाद प्रैक्टिस कर सकें। कई बार प्रबंधन शिक्षकों पर दबाव डालता है कि वे उन्हें पास कर दें और न रोकें।

तीसरा समूह जो तेजी से बढ़ रहा है, वह चीन, रूस, अन्य पूर्वी यूरोपीय देशों में अपनी चिकित्सा शिक्षा पूरी करने वाले छात्र हैं। भारतीय मेडिकल कॉलेजों में शिक्षण की खराब गुणवत्ता के बावजूद विदेशी शिक्षित डॉक्टरों और स्थानीय डॉक्टरों के बीच व्यापक अंतर है। मरीजों से बात करते समय जानकारी का कोई स्पष्ट प्रवाह नहीं होता है, साथ ही चिकित्सा की कई बुनियादी बातों के बारे में भी जानकारी का अभाव है। ऐसा नहीं चल सकता। हमें यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि डॉक्टर बनने वाले सभी लोगों के पास ज्ञान और कौशल दोनों हों; और उनके पास सहानुभूति हो जो एक डॉक्टर के लिए ज़रूरी है। कुछ महीने पहले हमारे एक डॉक्टर को एक मित्र का फ़ोन आया, जो एक पीएचसी में काम करने वाला डॉक्टर था। उसने हाल ही में मलेरिया से पीड़ित एक मरीज़ का निदान किया था और यह पूछने के लिए फ़ोन कर रहा था कि उसे क्या उपचार दिया जाए। स्वतंत्र रूप से काम करने वाले डॉक्टरों के लिए मार्गदर्शन की यह ज़रूरत अपेक्षित है क्योंकि एक दिन में वे कई संक्रमणों (टीबी, मलेरिया आदि), गैर–संचारी रोगों, जटिलताओं वाली गर्भवती महिलाओं को देख सकते हैं। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों को टांके लगा सकते हैं और प्रसव भी करवा सकते हैं। इस ज़रूरत ने भारत के अलग–अलग हिस्सों में काम करने वाले हम डॉक्टरों को एक समूह के रूप में एक साथ आने के लिए मजबूर कर दिया। हम अपने सवाल समूह में पोस्ट करते हैं या मार्गदर्शन के लिए किसी विशेषज्ञ को बुलाते हैं व पूछते हैं– आप मधुमेह से पीड़ित एक युवा महिला में रक्त शर्करा के उतार–चढ़ाव को कैसे प्रबंधित करते हैं? आप गर्भवती महिला में मलेरिया का इलाज कैसे करते हैं? हम हफ़्ते में एक बार ऑनलाइन मिलते हैं नए ज्ञान, केस स्टडीज़ को साझा करने और सवाल पूछने के लिए। ग्रामीण इलाकों में पीएचसी और शहरों के अस्पतालों में काम करने वाले डॉक्टरों के साथ बातचीत करते हुए हम देखते हैं कि जब उन्हें संदेह होता है, तो उनके पास बहुत कम साथी या वरिष्ठजन होते हैं।

हमें डॉक्टरों के लिए ऐसी व्यवस्था करने की आवश्यकता है जिससे उन्हें अपने प्रश्नों के उत्तर मिल सकें तथा यह सुनिश्चित हो सके कि वे नई जानकारी से अपडेट रहें, जो जरूरी नहीं कि दवा कंपनियों से ही आ रही हो। पंजीकरण के नवीनीकरण के लिए परीक्षाएं शुरू करने की बात चल रही है। इससे मदद मिलेगी, लेकिन हमें और भी कुछ करने की जरूरत है।

हमारे न्यूज़ चैनल और सोशल मीडिया पर किस तरह की खबरें आती रहती हैं? आजकल भारत के विश्व कप जीतने और किसी सेलिब्रिटी की शादी के बारे में बहुत कुछ बताया जाता है। किडनी ट्रांसप्लांट जैसी संभावित गलत हरकतों की कहानियों पर ध्यान दिया जाता है लेकिन उन खबरों के बारे में क्या कहा जाता है जिनमें जान बचाई जाती है?

एक हफ़्ते पहले एक महिला को एक्लेम्पसिया के साथ हमारे क्लिनिक से उदयपुर रेफर किया गया था, जो 120 किलोमीटर दूर है। जब वह अस्पताल पहुंची तो उसे 3 घंटे से ज़्यादा समय से दौरे पड़ रहे थे और वह मुश्किल से होश में थी। उसे बचाया जाना स्त्री रोग विशेषज्ञों और नर्सों द्वारा उसे दिए गए त्वरित उपचार का ही नतीजा था।

विभिन्न समाचार माध्यमों में ऐसी कहानियों को प्रमुखता से दिखाए जाने की आवश्यकता है। इनका डॉक्टरों और उनके पेशे के प्रति दृष्टिकोण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा, साथ ही समाज का उन्हें देखने का दृष्टिकोण भी है। इस समय दो कहानियां चल रही हैं, भारतीय न्याय संहिता और किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट के इर्द–गिर्द। चलिए पीछे चलते हैं! पिछली बार कब हमने उन भयावह परिस्थितियों के बारे में बात की थी जिसमें हमारे युवा डॉक्टर या डॉक्टर बनने वाले लोग पढ़ते हैं? वे किस तरह के हॉस्टलों में रहते हैं, कैसा खाना खाते हैं, उनका असामान्य रूप से लंबी ड्यूटी रोस्टर? हमने कब उन कहानियों का जश्न मनाया जिनमें वे दिन–ब–दिन मरीजों को बचाते हैं? हमें अच्छी तरह याद है कि हमारे डॉक्टरों ने कोविड महामारी के दौरान कितनी शानदार भूमिका निभाई। हमें ऐसी कहानियां सुनाते रहना चाहिए। ऐसी कहानियों का अभाव और लगातार ऐसी कहानियां जो इतनी सकारात्मक नहीं होती हैं, बेचैनी पैदा करती हैं, जो खतरनाक हो सकती हैं। कुछ साल पहले मध्य राजस्थान के एक अस्पताल में एक जटिल प्रसव के दौरान महिला की मौत हो गई थी। मीडिया की ओर से तत्काल प्रतिक्रिया और परिवार की ओर से दबाव अप्रत्याशित और अनपेक्षित नहीं था। लेकिन उसके बाद जो त्रासदी हुई वह अपेक्षित नहीं थी। और दिल दहला देने वाली थी। सुर्खियों में रहने वाली डॉक्टर तनाव को बर्दाश्त नहीं कर सकी और उसने अपनी जान दे दी।

शहर के विभिन्न सड़कों पर खड़ी रहती हैं डग्गामार बसें

गोरखपुर। परिवहन विभाग डग्गामार बसों पर लगाम लगाने के लिए अभियान चला रहा हैं। परिवहन विभाग की तरफ से रविवार को सात डग्गामार वाहनों को सीज किया गया है।

परिवहन विभाग डग्गामार बसों पर लगाम लगाने के लिए अभियान चला रहा हैं। परिवहन विभाग की तरफ से रविवार को सात डग्गामार वाहनों को सीज किया गया है। एआरटीओ प्रवर्तन नरेंद्र यादव के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन स्थिति महराणा प्रताप की मूर्ति से रोडवेज बस स्टेशन सवारी बैठा रहे डग्गामार बस, पांच कार व एक टैक्सी को सीज किया है। शहर व बाहर सड़कों पर डग्गामार बसें खड़ी रहती हैं। रात के बाद सुबह वह मौका देखकर सड़कों पर अवैध तरीके से सवारी भी भर लेती हैं। जिस पर लगाम नहीं लग पा रही है।

डग्गामार बसों की सहायता के लिए बकायदा एक व्यक्ति विभिन्न बस स्टेशनों पर खड़े रहकर बाहर से आने वाली बसों के बारे में जानकारी रखता है, जिसके बाद वह जानकारी बस को देता है। डग्गामार बस चालक तत्काल उस जगह पर पहुंचकर सवारी भर लेता है, जहां दिल्ली, कानपुर से बसें आती हैं। रात भर शहर के नौसढ़, कुनराघाट, जेल बाई पास, बरगदवां की सड़कों पर बसें खड़ी देखी जा सकती हैं।

एआरटीओ प्रवर्तन नरेंद्र यादव ने बताया कि डग्गामार वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इस पर लगाम जल्द ही लगा दी जाएगी।

डीडीयू गोरखपुर यूनिवसिटी में कैलेंडर जारी

11 नवंबर से होंगी सेमेस्टर परीक्षाए

संवाद न्यूज एजेंसी, गोरखपुर । दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए अपना कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके अनुसार सत्र की शुरुआत भी हो गई है। इस बार विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी 11 नवंबर से शुरू करने की तैयारी है। उसके एक हफ्ते पहले कोर्स पूरा हो जाएगा। विश्वविद्यालय में सत्र को नियमित करने के लिए काफी समय से प्रयास किया जा रहा था, लेकिन कभी प्रवेश तो कभी परीक्षा में देरी की वजह से ऐसा नहीं हो पा रहा था। अब शासनादेश के अनुसार सत्र की शुरुआत हो गई है। तृतीय, पंचम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम 20 अक्तूबर तक पूरा करने की योजना है। इसके बाद 31 अक्तूबर तक प्रयोगात्मक परीक्षाएं करा ली जाएंगी।

11 नवंबर से 10 दिसंबर के बीच सेमेस्टर परीक्षाएं संपन्न हो जाएंगी। इसके परिणाम भी पांच जनवरी तक घोषित हो जाएंगे। नव प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं भी दो नवंबर तक चलाने की योजना है। सम सेमेस्टर की पढ़ाई छह जनवरी से शुरू होगी। इनकी परीक्षाएं 11 अप्रैल से 10 मई तक चलेंगी।

15 दिनों का होगा शीतावकाश

विश्वविद्यालय में इस बार 15 दिनों का शीतावकाश होगा। पिछली बार इसे लेकर काफी हंगामा हुआ था। विश्वविद्यालय ने शीतावकाश को रद्द कर दिया था, लेकिन शासनादेश आने के बाद इसे 10 दिन किया गया था। शीतावकाश रद्द करने को लेकर कॉलेज के शिक्षकों ने काफी विरोध किया था। सत्र 2024–25 में 21 दिसंबर से पांच जनवरी तक शीतावकाश रहेगा। कुलपति प्रो पूनम टंडन ने बताया कि कैलेंडर के अनुसार सत्र की शुरुआत हो गई है। इस सत्र में कक्षाओं के संचालन और विद्यार्थियों के कौशल विकास पर जोर रहेगा। परीक्षा परिणाम भी अब समय से आने लगे हैं। इसके साथ ही बहुत जल्द प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर नव प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं शुरू कर दी जाएंगी। उनके लिए एक दीक्षारंभ कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

बरात में डांस के विवाद में गई थी रोहित की जान, परिजनों से सड़क जाम कर रखी ये मांग

गोरखपुर। अलीनगर में बरात में डांस करने को लेकर हुए विवाद में दो दोस्तों को चाकू मारा गया था। सीसीटीवी कैमरा फुटेज की मदद से पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर पूछताछ के लिए चार लोगों को हिरासत में लिया है। परिजनों ने पीएम के बाद शव को अलीनगर चौराहे पर रखकर जाम लगा दिया था। परिजनों ने मांग की कि हमलावरों के घरों पर बुलडोजर चलवाएं, तभी जाम समाप्त होगा। सीओ कोतवाली ने समझा बुझाकर जाम को खत्म करवाया।

अलीनगर में बरात में डांस करने को लेकर हुए विवाद में दो दोस्तों को चाकू मारा गया था। सीसीटीवी कैमरा फुटेज की मदद से पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर पूछताछ के लिए चार लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें दो हमलावरों की पहचान नगर निगम के संविदा सफाई कर्मी के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है।

सीसीटीवी फुटेज व सर्विलांस की मदद से छानबीन करने पर पता चला कि तिवारीपुर के सुर्यकुंड से आई बरात को अग्रवाल भवन जाना था।

गंगेज तिराहा से बरात उठने के बाद उसमें शामिल महिलाएं व परिवार के लोग डांस करते हुए आगे बढ़ रहे थे। मोहल्ले में सड़क किनारे शोभित व अन्य दोस्तों के साथ खड़े रोहित से डांस करने को लेकर बरात में शामिल युवकों से विवाद हो गया। कहासुनी के बाद हुई मारपीट में दोनों तरफ के तीन लोग चोटिल हो गए।

घटना के बाद रोहित चला गया और कुछ देर बाद अपने अन्य साथियों को लेकर पहुंचा तो पुरुषोत्तम दास की कोठी के पास दोबारा मारपीट हुई, जिसके बाद बरात में शामिल युवकों ने रोहित व शोभित पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद बरात में भगदड़ मच गई। दोस्तों की मदद से परिवार के लोग दोनों को जिला अस्पताल ले आए, जहां डाक्टरों ने रोहित को मृत घोषित कर दिया था।

सफाई सुपरवाइजर की मदद से हुई पहचान

मारपीट का सीसीटीवी कैमरा फुटेज मिलने के बाद पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर उसने घटना की जानकारी देते हुए चाकू मारने वाले युवकों के बारे में बताया। छानबीन करने पर पता चला कि दोनों संविदा सफाईकर्मी हैं। जिसके बाद पुलिस ने सफाई सुपरवाइजर को बुलाकर फुटेज दिखाया तो पता चला कि वे अंधियारीबाग के रहने वाले हैं।

पिता ने अज्ञात के खिलाफ दी तहरीर

रोहित के पिता शिवपूजन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि रोहित मोहल्ले के पास से गुजर रही बरात देखने दोस्त शोभित के साथ गया था। इस दौरान बरात में शामिल मनबढ़ों ने चाकू से उनपर हमला कर दिया।

हत्या के बाद स्थानीय लोगों ने अग्रवाल भवन को घेरा

रोहित की हत्या की जानकारी होने पर पहुंचे मोहल्ले के लोग उनका पीछा करते हुए अलीनगर चौराहे की तरफ पहुंचे। इस बीच किसी ने उनके अग्रवाल भवन में जाने की अफवाह फैला दी। इसके बाद वह अग्रवाल भवन को घेर लिए। हालांकि बाद में पहुंची पुलिस ने एक–एक को अग्रवाल भवन से बाहर निकाला।

तीन बहन, दो भाई में दूसरे नंबर पर था रोहित

रोहित की हत्या से परिवार कोहराम मच गया है। शिवपूजन के पांच बच्चों में रोहित दूसरे नंबर का था। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। रोहित की अभी शादी नहीं हुई है। उससे छोटा भाई मोहित और बहनें हैं। रोहित घर पर कपड़ा धुलाई कर परिवार का भरण–पोषण करता था।

शोभित की हालत नाजुक

चाकू के हमले से घायल शोभित चौधरी की हालत अभी नाजुक बनी हुई है। हालांकि मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने छह घंटे की मशक्कत के बाद उसे आईसीयू में अपनी निगरानी में रखा है।

व्यवस्था पर उठ रहा सवाल, शिक्षा ग्रहण के लिए नाव पर नौनिहाल

बच्चों पर भारी पड़ सकती है निजी स्कूलों की मनमानी

बाढ़ से हालात चिंताजनक, प्रबंधक नहीं बंद कर रहे स्कूल

सदर तहसील के बहरामपुर उत्तरी बहरामपुर दक्षिणी शेरगढ़ और नहरहरपुर बाढ़ के पानी से घिर गया है। यहां बच्चों को स्कूल जाने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। जरूरी काम होने पर ही लोग नाव से घर से बाहर निकल रहे हैं। अधिकारियों ने बाढ़ सुरक्षा के साथ ही लोगों को जागरूक करने के लिए जगह–जगह बैठकें शुरू कर दी हैं।

गोरखपुर। जिले में दो दर्जन गांव बाढ़ से घिरे हुए हैं। जिन गांवों में स्कूल बाढ़ में डूब गए हैं वहां तो छुट्टी कर दी गई है, लेकिन आसपास के इलाकों में संचालित निजी स्कूलों में कक्षाएं चल रही हैं। बाढ़ में घिरे गांवों के बच्चे नाव पर सवार होकर स्कूल पहुंच रहे हैं। उफनाई नदी की जलधारा पर सफर कर स्कूल जा रहे मासूम कभी भी अनहोनी का शिकार हो सकते हैं। सामाजिक संगठनों के लोगों का कहना है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों सहित आसपास के विद्यालयों में स्थिति सामान्य होने तक छुट्टी की जाए, वरना कभी भी बड़ी अनहोनी हो सकती है। बहरामपुर की रहने वाली कक्षा तीन की छात्रा अर्पिता, अन्नू, कक्षा पांच की अप्पी, कक्षा छह के अमन व कक्षा छह की छात्रा रवीना खजनी रोड के हरैया स्थित एमजी एकेडमी में पढ़ती हैं। स्कूल खुला रहने के कारण उन्हें नाव में बैठकर पढ़ने स्कूल जाना पड़ रहा है। इसी तरह बाढ़ के पानी से घिरे बहरामपुर दक्षिणी गांव की छात्रा कौशल्या साहनी, अंशिका साहनी और छात्र पवन को नौसढ़ स्थित आरके पब्लिक स्कूल में पढ़ने के लिए नाव से जाना पड़ रहा है। इसी तरह नौसढ़ स्थित एमपीएसपी एकेडमी में पढ़ने के लिए छात्रा मुस्कान, श्रृष्टि, निधि निषाद, पायल व छात्र आदित्य रोज बहरामपुर से जान जोखिम में डालकर स्कूल जा रहे हैं।

भिलोरा गांव के बीएन पब्लिक स्कूल के छात्र शिवम कुमार, नौसढ़ के जनता इंटर कालेज के छात्र अमन कुमार, छात्रा रवीना, सुनीता, रानी, गायत्री को इन दिनों स्कूल से बहरामपुर गांव स्थित अपने स्कूल जाने और वहां से घर पहुंचने के लिए जोखिम उठाकर बाढ़ के पानी में नाव की सवारी कर रहे हैं। इसके अलावा हरैया के कक्षा तीन में पढ़ने वाली अदिशा व कक्षा दो में पढ़ने वाले आदर्श बहरामपुर के उन्हीं नौनिहालों में से हैं, जो हर रोज पढ़ाई के लिए जोखिम उठा रहे हैं। शहर के शेरगढ़ के पानी से घिर जाने के कारण वहां के भी बच्चों को भी मजबूरन नाव से स्कूल जाना पड़ा रहा है। उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र ओझा का कहना है कि जिन स्कूलों में बच्चों को नाव से पढ़ने जाना पड़ रहा है, उनके प्रबंधन को गंभीरता दिखानी चाहिए। उन्हें बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए फिलहाल स्कूल बंद कर देना चाहिए, जिससे बच्चों जीवन खतरे में न पड़े। गुरु कृपा संस्थान के संस्थापक महासचिव बृजेश राम त्रिपाठी बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में चल रहे स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं। उनका कहना है कि प्रशासन को तत्काल प्रभाव से ऐसे विद्यालयों को चिह्नित कर छुट्टी करानी चाहिए। वरना, कभी भी नाव पलटने के चलते बड़ी दुर्घटना हो सकती है। संस्था के द्वारा इस संबंध में जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर उचित कदम उठाने की मांग की जाएगी। डीएम कृष्णा करूणेश ने कहा कि बाढ़ग्रस्त इलाकों के परिषदीय स्कूल बंद कर दिए गए हैं। ऐसे निजी स्कूल जो बंद नहीं हैं और वहां जाने के लिए बच्चों को नाव का सहारा लेना पड़ रहा है उन्हें बंद करने को लेकर बीएसए को निर्देशित किया गया है। यदि विद्यालय प्रबंधन निर्देश का अनुपालन नहीं करते हैं तो उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

कई नदियां उफान पर

संभले तो कहीं बिगड़े हालात, अभी भी कई नदियां उफान पर
बरेली–पीलीभीत में चार लोगों के डूबने से मौत
उत्तराखंड के धारचूला में बादल फटने से पीलीभीत में फिर खतरा

अयोध्या–पीलीभीत समेत 17 जिलों में बाढ़ के हालात

उत्तर प्रदेश में अयोध्या पीलीभीत बरेली आजमगढ़ और हरदोई समेत कुल 17 जिलों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। नदियों के जलस्तर में लगातार तेजी और कमी देखील जा रही है इससे उतार–चढ़ाव जारी है। बरेली में बहगुल नदी उफान पर है इससे कई गांव प्रभावित हैं। बाढ़ के कारण यूपी दो बच्चों समेत कुल चार लोगों की डूबने से मौत हो गई है।

पीलीभीत में रेलवे ट्रैक बह गया

लखनऊ। नदियों के जलस्तर में तेजी और कमी के साथ ही प्रदेश में बाढ़ की स्थिति में भी उतार–चढ़ाव जारी है। गर्रा और खन्नौत नदी उफनाने से कठिनाइयां झेल रहे शाहजहांपुर में बाढ़ का पानी कम हुआ है। यद्यपि दोनों नदियां अभी भी खतरे के निशान के ऊपर हैं। बरेली में बहगुल नदी उफनाने से कई गांव प्रभावित हैं। दो बच्चों समेत तीन लोगों की नदी में डूबने से मौत हो गई। पीलीभीत में भी डूबने से एक की मौत हुई है। जिले में दो दिन से बाढ़ थमी है मगर, उत्तराखंड के धारचूला में बादल फटने से पहाड़ी नदियां उफनाई हैं। बनबसा बैराज से पानी छोड़ा गया तो पीलीभीत में शारदा नदी में दोबारा बाढ़ आ सकती है।

बाढ़ से क गांवों का आवागमन हुआ बंद

बदायूं के दातागंज में रामगंगा का पानी आने से शाहजहांपुर–लखनऊ रूट बाधित हो गया है। फर्रुखाबाद में भी रामगंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। अमैयापुर में बाढ़ से कई गांवों का आवागमन बाधित हो गया है।

प्रयागराज, वाराणसी मीरजापुर, कानपुर में गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है।शाहजहांपुर में बरेली मोड़ पर पानी कम होने के बाद दिल्ली–लखनऊ हाईवे पर वाहन चलने लगे हैं। फर्रुखाबाद रोड पर जलभराव से रोडवेज बसों का संचालन नहीं हो रहा। गोरखपुर–बस्ती मंडल में अधिकांश नदियां उफान पर हैं। सिद्धार्थनगर में बूढ़ी राप्ती, राप्ती, कूड़ा, घोघी नदी के साथ पहाड़ी नाला तेलार खतरे के निशान के ऊपर है। 188 गांव पानी से घिर गए हैं।

राप्ती नदी ने पार किया खतरे का निशान

संतकबीर नगर में राप्ती नदी शनिवार को खतरे का निशान पार कर गई। संतकबीर नगर के साथ ही देवरिया में भी सरयू खतरे के निशान के पास पहुंच गई है। आजमगढ़, मऊ और बलिया में शनिवार को सरयू के जलस्तर में कुछ घटाव हुआ लेकिन खतरे के निशान से अब भी ऊपर बह रही है।

वाराणसी, मीरजापुर में गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। तटवर्ती इलाकों के लोग बाढ़ और कटान के खतरे के मद्देनजर सुरक्षित ठिकानों की ओर पलायन कर रहे हैं। जौनपुर में बीते 24 घंटे में गोमती के जलस्तर में आठ फीट की वृद्धि दर्ज की गई है।

श्रावस्ती में नेपाल के पहाड़ों पर बरसात थमने से तराई में राप्ती नदी के तेवर ढीले पड़ गए हैं। तटवर्ती गांवों के लोगों ने राहत की सांस ली है।

बहराइच में चार दिनों से घाघरा का जलस्तर घट रहा है। लखीमपुर में शारदा नदी की बाढ़ का पानी अभी भी दर्जनों गांवों में भरा है। गोंडा में सरयू व घाघरा नदी का जलस्तर घट गया है। अयोध्या में सरयू नदी का जलस्तर खतरे के निशान से दो सेंटीमीटर नीचे पहुंच गया है। बलरामपुर में राप्ती नदी का जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया है। गैंसड़ी में स्थित पहाड़ी नालों में उफान आ गया है। उधर पहाड़ी नाला नकटी व कटहा में उफान आने से राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनपुर और पुरुषोत्तमपुर के पास सड़क के ऊपर बाढ़ का पानी बह रहा है।

बाढ़ से 10 लाख से अधिक आबादी प्रभावित

राहत आयुक्त कार्यालय की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में इस समय कुल 17 जिलों में बाढ़ की स्थिति है। इनमें पीलीभीत, लखीमपुर, श्रावस्ती, बलरामपुर, कुशीनगर, बस्ती, शाहजहांपुर, सीतापुर, गोंडा, सिद्धार्थनगर, बलिया, गोरखपुर, बरेली, आजमगढ़, हरदोई और अयोध्या शामिल हैं। करीब साढ़े दस लाख की आबादी प्रभावित है। 66 तहसीलों के कुल 1273 गांवों में लोग बाढ़ का सामना कर रहे हैं।

'थानाध्यक्ष ने कोर्ट में ये लिखकर दिया था'

गोरखपुर। गोरखपुर के अजीम हत्याकांड में परिजनों ने होटल संचालक नौशाद आलम पर भी केस दर्ज कराया है। राजघाट थाने में नौशाद के खिलाफ कई केस दर्ज हैं। हालांकि, इसमें अधिकतर केस 2012 से लेकर 2017 के बीच दर्ज हुए। गोरखपुर के तुर्कमानपुर में प्रॉपर्टी डीलर अजीम की हत्या के बाद उनके परिजनों ने राजघाट थाने में केस दर्ज कराया है। इसमें नौशाद आलम को भी आरोपी बनाया है। ये नाम नौशाद का सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार है, लेकिन वह कबाड़ के व्यवसाय से होटल मालिक बनने तक के सफर में गुड्डू प्लाजा के तौर पर जाना जाता है। उसे जानने वाले बताते हैं कि एक अफसर की शह पर पहले उसने कबाड़ के धंधे में सिक्का जमाया फिर होटल मालिक तक बन गया। जानने वालों का दावा है कि अफसर ने नौशाद की खूब मदद की। मदद के बदले वह अपने होटल में उस अफसर और उनके जानने वालों की आवभगत करता था।

वारदात के शिकार अजीम के एक करीबी सूत्र की मानें तो सरकारी सिस्टम की दखल से नौशाद पर कभी पुलिसिया कार्रवाई नहीं हो सकी। हिस्ट्रीशीटर से लेकर गैंगस्टर तक की कार्रवाई नौशाद के ऊपर हो चुकी है, लेकिन पुलिस उसे इन मामलों में जेल नहीं भिजवा सकी। इसके पीछे भी पूरी सेटिंग इसी अधिकारी की रही है।

सूत्रों ने बताया कि नौशाद के परिवार के लोग पहले कबाड़ का छोटा–मोटा काम करते थे। इसी दौरान नौशाद का संपर्क घासीकटरा के एक शख्स से हो गया। 1990 में नौशाद नेपाल से गर्म मसाला, ड्राई फ्रूट और अन्य सामान भी बिना फर्म के नेपाल से गोरखपुर में लाने का एक माध्यम बना था। इस दौरान उसके पास ठीक–ठाक मुनाफा होने लगा। इस समय हिंदी बाजार के कुछ धंधेबाजों के संपर्क में आने पर वह अवैध सोने के धंधेबाजों से भी जुड़ा। यही समय था कि जब नौशाद अफसर के संपर्क में आया। साहब की सलाह पर उसने गोलघर में होटल सन प्लाजा खोल दिया। इसी होटल में वह अफसर अपने वरिष्ठों के रुकने–टिकने का इंतजाम करता था। दावा है कि अपने विभागीय पकड़ की बदौलत अफसर ने बिजली निगम के अधिकारियों से संपर्क कराया और वह ठेकेदारी में उतर गया। इसी बीच 2007 में बसपा सरकार आ गई। ऑनलाइन टेंडर की शुरुआत हुई तो नौशाद ने ठेकेदारी के काम से किनारा कर लिया। इस दौरान बसपा सरकार में प्रभावी रहे माफिया विनोद से भी उसके करीबी संबंध हो गए फिर वह रियल एस्टेट के धंधे में उतर गया।

राजघाट का 19 ए हिस्ट्रीशीटर है नौशाद

राजघाट थाने में नौशाद के खिलाफ कई केस दर्ज हैं। हालांकि, इसमें अधिकतर केस 2012 से लेकर 2017 के बीच दर्ज हुए। इस दौरान की सरकार में प्रभावी उसके एक सहयोगी ने बहुत से केस दर्ज करवाए थे।

थानाध्यक्ष ने न्यायालय में लिखकर दिया था

नौशाद आलम की सेटिंग और प्रभाव को खाकी भी समझती थी। राजघाट थाने में तत्कालीन प्रभारी ने जिला मजिस्ट्रेट को बाकायदा लिखकर सूचना भेजी थी। पत्र लिखकर बताया था कि नौशाद आलम गुंडा है। इसके भय और आतंक से कोई भी व्यक्ति केस दर्ज कराने एवं गवाही देने का साहस नहीं कर पाता। इसका स्वतंत्र रहना जनहित में नहीं है। इसके बाद भी नौशाद को पुलिस जेल नहीं भिजवा सकी।

काल डिटेल और सूवलांस से खुल जाएंगी परतें

अजीम को जानने वाले करीबी सूत्र का दावा है कि पुलिस अगर नौशाद की कॉल रिकॉर्ड की जांच कर लेगी तो अधिकारी के साथ अन्य कई नाम सामने आ जाएंगे। इस वारदात में एक प्रभावशाली नेता, मछली कारोबारी, हिंदी बाजार के धंधेबाजों के नाम भी सामने आए हैं। सूत्रों ने बताया कि गुड्डू कबाड़ी ने पुलिसिया पूछताछ में शुरू से लेकर अंत तक की सारी कहानी पुलिस को बता दी है।

हत्या के आरोपी ने ही शव को एंबुलेंस में रखवाया

स्थानीय सूत्रों ने बताया कि हमला कर जान लेने के बाद मौके पर जब पुलिस आई तो भागने की जगह आरोपी मौके पर ही खड़ा रहा। उसी ने अजीम के शव को एंबुलेंस में पुलिस के सामने रखवाया। शव एंबुलेंस में रखने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। इसी के बाद पूछताछ में उसने जूर्म कबूलने के अलावा पूरा घटना खोलकर सामने रख दी।

अजीम के पारिजनों की तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। जांच चल रही है। सभी पहलुओं को जांच में शामिल जाएगा। जो भी दोषी होंगे, कार्रवाई की जाएगी।–कृष्ण कुमार बिश्नोई, एसपी सिटी

गोरखपुर में दिनदहाड़े होटल संचालक के कर्मचारी की हत्या

राजघाट के नार्मल कब्रिस्तान के पास शनिवार की शाम को हुई घटना
आरोपितों का फोन आने पर होटल संचालक ने कर्मचारी को भेजा था

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां दिन दहाड़े एक होटल संचालक के कर्मचारी की हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपितों ने थाने में जाकर सरेंडर भी कर दिया। बताया जा रहा है कि यह वारदात रुपये के लेन देन की वजह अंजाम दिया गया है।

संवाददाता,गोरखपुर। 50 लाख रुपये के लेनदेन को लेकर चल रहे विवाद में शनिवार की शाम नार्मल कब्रिस्तान के पास चाचा–भतीजे ने होटल संचालक के कर्मचारी की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपितों ने राजघाट थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। चर्चा है कि घटना में एक और युवक भी शामिल था।घटनास्थल पर मिले चाकू को कब्जे में लेने के बाद राजघाट थाना पुलिस हत्यारोपितों से पूछताछ कर रही है। तुर्कमानपुर के रहने वाले होटल संचालक नौशाद आलम का मोहल्ले के आरिफ व उनके भाई शमशेर उर्फ गुड्डू कबाड़ी से 50 लाख रुपये के लेनदेन को लेकर चार वर्ष से विवाद चल रहा था। आरोप है कि भूमि दिलाने के नाम पर उन्होंने रुपये लिए थे।

नौशाद के यहां काम करने वाले तुर्कमानपुर के 45 वर्षीय मोहम्मद अजीम ने मध्यस्था की थी। भूमि न मिलने पर आरिफ व उसके भाई शमशेर से नौशाद का मनमुटाव हो गया। कुछ दिन पहले आरिफ की मृत्यु हो गई। जिसके बाद रुपये वापस करने की बात को लेकर आए दिन तकरार होने लगा। 10 दिन पहले आरिफ के बेटे तारिक भाई शमशेर के साथ ही परिवार के लोग नौशाद के घर पहुंचे और जमकर हंगामा किया। रुपये न मिलने पर हत्या करने की धमकी देने लगे। नौशाद के घर मौजूद मोहम्मद अजीम ने बीच–बचाव का प्रयास किया तो उसे जान से माररने की धमकी देने लगे।

पति कर रहा था दूसरी शादी, जैसे ही मंडप में लेने वाला था फेरे पुलिस के साथ पहुंच गई पहली पत्नी और फरि...

खजनी का युवक बिना तलाक दिए ही खोराबार में कर रहा था दूसरी शादी
लड़की के स्वजन को नहल थी जानकारी,पुलिस के आने पर कहा बच गया जीवन

संवाददाता,गोरखपुर। दूसरी शादी करने पहुंचे युवक के बरात में पहली पत्नी शुक्रवार की रात पुलिस लेकर पहुंच गई।लड़की के स्वजन को बिना तलाक दिए ही दूसरी शादी करने की जानकारी देते हुए हंगामा शुरू कर दिया। लड़की को पता चला तो उन्होंने शादी करने से इन्कार कर दिया। खोराबार पुलिस के समझाने पर बराती भी लौट गए। सहजनवां के मकटापार गांव की रेनू ने शुक्रवार की रात खोराबार थाना पुलिस को बताया कि 10 जुलाई 2016 में खजनी के उनवल संग्रामपुर गांव में रहने वाले पंकज पासवान से हुई थी। उसकी एक दिव्यांग बेटी है।

शादी के कुछ दिन बाद ही पंकज ने दूरी बना ली। मामला बढ़ने पर अप्रैल 24 में तलाक के लिए न्यायालय में प्रार्थना पत्र दे दिया। मुकदमा विचाराधीन होने के बाद भी दूसरी शादी करने के प्रयास में है। भैंसहा गांव में बरात लेकर आया है। खोराबार पुलिस को अपने साथ लेकर रात में 10 बजे रेनू भैंसहा गांव पहुंच गई और हंगामा शुरू कर दिया।

देवी मंदिर के बाद पेड़–चबूतरा भी नदी में समाया अब गांव पर खतरा... 10 घर खाली कराए गए

संवाद न्यूज एजेंसी, लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के बिजुआ क्षेत्र में पहले बाढ़ ने कहर बरपाया, अब शारदा नदी भू कटान कर रही है। सोमवार को बेलहा सिकटिहा गांव के पास देवी मंदिर नदी में समा गया था। मंगलवार सुबह देवी मंदिर के बाद बरमबाबा का विशाल पेड़ और चबूतरा भी शारदा नदी में समा गया। अब नदी की घरों से दूरी सिर्फ कुछ मीटर रह गई है। तेजी से हो रहे कटान के कारण ग्रामीणों में दहशत है। पूरब दक्षिण दिशा में ज्यादा कटान हो रहा है। गांव पश्चिम दिशा में है, लेकिन फिर खतरे की आशंका बनी हुई है।

कटान की रफ्तार घट बढ़ रही है। गांव लगभग 10 घरों के लोग अपना सामान निकाल चुके हैं। नदी में घर सामने के दर से कुछ लोगों ने पंचायत भवन में अपना सामान रखा है और कुछ लोग अन्य सुरक्षित स्थानों को सामान ले गए हैं। सोमवार को लेखपाल, एसडीएम, तहसीलदार कोई मौके पर नहीं पहुंचा। बेलहा सिकटिहा गांव में लगातार कटान जारी है, प्रशासन की अनदेखी से नदी का रौद्र रूप बड़ा नुकसान कर सकता है। ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति आक्रोश भी है। शारदा नदी में भले ही जलस्तर ज्यादा नहीं बढ़ रहा है, लेकिन नदी के भूमि कटान करने के रौद्र रूप को देख ग्रामीणों में दहशत बढ़ गई है। सोमवार को चार घंटे में देवी मंदिर नदी में समा गया था। पेड़ और चबूतरा भी कट गया। शारदा नदी में भले ही जलस्तर ज्यादा नहीं बढ़ रहा है, लेकिन नदी के भूमि कटान करने के रौद्र रूप को देख ग्रामीणों में दहशत बढ़ गई है। सोमवार को चार घंटे में देवी मंदिर नदी में समा गया था। मंगलवार को पेड़ और चबूतरा भी कट गया।

शारदा का रौद्र रूप

पहले बाढ़ ने कहर बरपाया अब शारदा नदी भू कटान कर रही है

अचानक गिरा और फिर उठ न पाया

दसवीं के छात्र की हार्टअटैक से मौत... घर से दूध लेने निकला था, बाजार में अचानक गश खाकर गिरा

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में दसवीं के छात्र की हार्ट अटैक से मौत हो गई। छात्र घर से दूध लेने के लिए निकला था। बाजार में अचानक गश खाकर गिर गया। निजी अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रामपुर में घर से दूध लेने के लिए निकला दसवीं का छात्र अबु सईद (15) अचानक बाजार में गश खाकर गिर गया। जिसे आनन–फानन में निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डाक्टरों ने उसकी मौत की वजह हार्ट अटैक बताई है।

हार्ट अटैक से मौत का यह मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के बाजार नसरुल्ला खां का है। बाजार नसरुल्ला खां निवासी कामिल मुजद्दी का 15 साल का बेटा अबुसईद व्हाइट हाल पब्लिक स्कूल में दसवीं का छात्र था। रविवार की देर शाम अबु सईद घर से दूध लेने के लिए मोहल्ले की दूध की दुकान पर पहुंचा था, जहां अचानक उसकी हालत बिगड़ गई। वह सीने में दर्द की शिकायत करते हुए दुकान के पास ही एक कुर्सी पर बैठ गया। कुर्सी पर बैठते ही वह नीचे गिर गया, जिसके बाद आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना के बाद परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए।

परिवार के लोग छात्र को एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। सोमवार को उसका दफीना कर दिया गया। अबु सईद के पिता कामिल मुजद्दी ने बताया कि बेटे को अचानक हार्ट अटैक आ गया था, जिसकी वजह से मौत हो गई। तीन भाईयों में अबु सईद सबसे छोटा था, इस हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा है। अबु सईद की मां का चार साल पहले निधन हो गया था। इतनी कम उम्र में हार्टअटैक आना गंभीर बात है। पल्स और रिदिम में गड़बड़ी की वजह से कार्डियक अटैक आता है। यह समस्या अनुवांशिक भी हो सकती है, जिसके लिए समय–समय चेकअप कराने चाहिएं। – डॉ. राजीव अग्रवाल, हृदय रोग विशेषज्ञ

डाक्टरों द्वारा बताई सावधानी

–जन्म के समय ही बच्चे की हार्ट की सभी जांच कराएं।
–बच्चों की लाइफस्टाइल बेहतर बनाएं।
– रोजाना बच्चों को टहलाएं।
–बच्चों को बाहर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें।
–अगर बच्चे की छाती में दर्द और सांस लेने में तकलीफ हो तो बिना देर किए तुरंत अस्पताल लेकर जाएं।
– अनुवांशिक बीमारी को लेकर सजग रहें।
–धूप में जाकर एकदम से एसी और कूलर के सामने न जाएं।
– मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखें, इसकी रेडिएशन से दिक्कत होती है।
–चाऊमीन, मोमोज आदि फास्ट फूड में रसायन मिले होते हैं, इनका सेवन न करें।

टीचरों के सपोर्ट में नजर आईं मायावती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति की व्यवस्था लागू कराए जाने पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने सरकार को घेरा है। मंगलवार को एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने कहा कि बिना तैयारी शिक्षकों पर ऑनलाइन हाजिरी को थोपा जाना ठीक नहीं है। परिषदीय स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की काफी कमी है। शिक्षकों के भी बड़ी संख्या में पद खाली हैं। ऐसे में पहले शिक्षकों के खाली पद भरे जाएं और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि अच्छी गुणवत्ता की पढ़ाई सुनिश्चित हो सके। मायावती ने अपनी पोस्ट में यह भी लिखा है कि सरकारी स्कूलों में जरूरी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव होने के कारण वहां बदहाली की शिकायतें आम हैं। जिस पर समुचित बजटीय प्रावधान करके उन गंभीर समस्याओं का उचित हल करने के बजाए सरकार उस पर से ध्यान बांटने के लिए केवल दिखावटी कार्य किया जा रहा है।

1. उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में ज़रूरी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव होने के कारण वहाँ बदहाली की शिकायतें आम रही हैं, जिस पर समुचित बजटीय प्रावधान करके उन गंभीर समस्याओं का उचित हल करने के बजाय सरकार उस पर से ध्यान बांटने के लिए केवल दिखावटी कार्य कर रही है, यह क्या उचित?

सपा–कांग्रेस के बाद अब बसपा भी शिक्षकों के पक्ष में

परिषदीय स्कूलों के शिक्षक पिछले एक हफ्ते से लगातार इसके विरोध में आंदोलनरत हैं। विपक्षी दल भी शिक्षकों का पक्ष में खड़े हैं। पहले सपा और कांग्रेस ने उनकी आवाज उठाई और अब बसपा भी उनके पक्ष में खड़ी हो गई है।

बाज नहीं आ रहे दहशतगर्द

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ में अनुसूचित जाति के दूल्हे की घुड़चढ़ी दबंगों ने रोक दी। घुड़चढ़ी रोकने के विरोध पर युवकों की पिटाई की गई। सूचना पाकर पुलिस पहुंची और पुलिस की मौजूदगी में बरात चढ़त की रस्म पूरी की गई। अलीगढ़ के जवां इलाके के सगढ़ी गांव में दबंग परिवार ने अनुसूचित जाति के युवक की घुड़चढ़ी की रस्म नहीं होने दी। यह लोग अपने घर के बाहर दरवाजे पर खड़े हो गए और कहने लगे कि यहां से बरात नहीं जाएगी। जब बरात में शामिल कुछ युवकों ने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की गई। बाद में सूचना पाकर पुलिस पहुंची और पुलिस की मौजूदगी में बरात चढ़त की रस्म पूरी की गई। इस मामले में प्रधानपति और उसके चार बेटों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। सगढ़ी गांव में एक दबंग परिवार ने अनुसूचित जाति के युवक की घुड़–चढ़ी की रस्म नहीं होने दी।

यह लोग अपने घर के बाहर दरवाजे पर खड़े हो गए और कहने लगे कि यहां से बरात नहीं जाएगी। जब बरात में शामिल कुछ युवकों ने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की गई। बाद में सूचना पाकर पुलिस पहुंची और पुलिस की मौजूदगी में बरात चढ़त की रस्म पूरी की गई। इस मामले में प्रधानपति और उसके चार बेटों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

बरात में मौजूद लोगों ने उनके इस व्यवहार पर नाराजगी जताई तो पिता पुत्र हमलावर हो गए और मारपीट करने लगे। पिटाई से राजेंद्र पुत्र शिवराम, सीजर पुत्र बिजेंद्र, सोनू पुत्र रामवीर सहित जॉनी, नीरज व वैभव पुत्र मुंशीलाल चोटिल हो गए। बताया जाता है कि बरात में मौजूद कार का शीशा भी तोड़ दिया गया। घटना की जानकारी कुछ लोगों ने पुलिस को दी। थाना पुलिस मौके पर पहुंची और अपनी मौजूदगी में बरात चढ़त की रस्म पूरी कराई। बाद में प्रधानपति मुकेश गुप्ता और उसके चार बेटों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उस पर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। –नारायण दत्त तिवारी, थाना प्रभारी, जवां।

'हमारे दरवाजे से नहीं निकाल सकते बरात'.. . दबंगों ने अनुसूचित जाति के युवक की रोकी घुड़चढ़ी

शिक्षकों की डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था पर रोक

दो माह के लिए स्थगित... मामले के समाधान को योगी सरकार बनाएगी कमेटी

लखनऊ। डिजिटल अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों के प्रदर्शन को देखते हुए इस व्यवस्था को दो महीने के लिए स्थगित कर दिया गया है। मामले में समस्याओं को समाधान के लिए एक कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया है। यूपी डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था को दो महीने के लिए स्थगित कर दिया गया है। मामले में शिक्षकों की समस्या के समाधान और डिजिटल अटेंडेंस की दिक्कतों को खत्म करने के लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा। ये जानकारी प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा डॉ. एमकेएस सुंदरम ने दी।

बता दें कि मंगलवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ बेसिक के शिक्षक संगठनों की हुई वार्ता हुई। जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डा. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि शासन ने फिलहाल डिजिटल अटेंडेंस स्थगित करने पर सहमति दी है। जल्द इसका आदेश जारी होगा। शिक्षकों की समस्या के समाधान और डिजिटल अटेंडेंस की दिक्कत के समाधान के लिए एक कमेटी गठित की जाएगी। इसमें शिक्षाविद, शिक्षक नेता और अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा डा. एमकेएस सुंदरम, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा आदि अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री योगी ने दिया था संवाद कर समाधान निकालने का निर्देश

डिजिटल अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों की नाराजगी दूर करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन पहले ही सभी डीएम, बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) और सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी (एबीएसए) के साथ मिलकर शिक्षकों व शिक्षक प्रतिनिधियों से संवाद करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने यह भी कहा था कि विद्यालयों में पठन–पाठन सुचारु रूप से चलता रहे, यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इससे पहले भी सीएम ने विभागीय अधिकारियों को शिक्षकों से वार्ता कर समाधान निकालने के निर्देश दिए थे। परिषदीय विद्यालयों में आठ जुलाई से शिक्षकों के डिजिटल अटेंडेंस लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसे लेकर शिक्षक पिछले एक सप्ताह से आंदोलनरत थे। सोमवार को भी उन्होंने हर जिले में प्रदर्शन कर सीएम को संबोधित ज्ञापन भेजा।

कुकरैल रिवफ्रंट

मुख्यमंत्री योगी ने दिलाया भरोसा– नही तोड़ा जाएगा एक भी मकान

लखनऊ। रिवरफ्रंट के दायरे में आने वाले मोहल्ले के लोगों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और दावा किया कि मुख्यमंत्री ने उनकी बात सुनी और कहा कि जिन मकानों की रजिस्ट्री हो चुकी है। उन्हें नहीं तोड़ा जाएगा और दहशत फैलाने वाले अफसरों पर कार्रवाई होगी। कुकरैल रिवरफ्रंट के दायरे में आने वाले रहीमनगर, खुर्रमनगर, पंतनगर, इंद्रप्रस्थनगर और अबरारनगर में रहने वाले लोगों के मकान नहीं तोड़े जाएंगे। मंगलवार को इन इलाकों के निवासियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और अपनी बात रखी। मुलाकात के बाद प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने बताया कि मुख्यमत्री योगी ने हमें पूरा भरोसा दिलाया कि जिन लोगों के मकान की रजिस्ट्री है वो मकान नहीं तोड़े जाएंगे और जिन अफसरों ने लोगों में दहशत फैलाई है। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में शामिल निशा झा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी ने हमारी बात सुनी और कहा कि अवैध निर्माण को तोड़ा जा रहा है उन मकानों को बिल्कुल नहीं तोड़ा जाएगा जिनकी रजिस्ट्री है। जिन मकानों की रजिस्ट्री है ये उनका हक है कि वो उन्हीं घरों में रहें। निशा झा ने बताया कि हम लोगों के लिए ये बड़ी राहत की बात है। हमने एक सप्ताह से ठीक से खाना नहीं खाया है। रहीम नगर की गुंजन शुक्ला ने कहा कि योगी जी ने हमारा साथ दिया और हमारे बच्चों और परिवार का ख्याल रखा।

इसके पहले कुकरैल रिवरफ्रंट के दायरे में अकबरनगर के बाद आए रहीमनगर, खुर्रमनगर, पंतनगर, इंद्रप्रस्थनगर और अबरारनगर के लोग अपने घरों को अवैध बताकर लाल निशान लगाए जाने से काफी गुस्से और दुख में थे। शनिवार, रविवार को इसके विरोध में अलग–अलग तरह से प्रदर्शन करने वाले इलाके के लोग सोमवार रात अचानक शंख, ढोल, नगाड़े बजाने लगे। कुकरैल किनारे हर्ष की बारिश होने लगी। सीनीय लोग सीएम योगी आदित्यनाथ, बाबा गोरखनाथ की जय–जयकार करने लगे। रिवरफ्रंट के दायरे में आए रहीमनगर के विजय शुक्ला ने बताया कि सरकार ने उनकी गुहार सुन ली है। फिलहाल उनके घरों के ध्वस्तीकरण पर रोक लगा दी गई है। राहुल शर्मा ने कहा, हम यही नहीं समझ पा रहे थे कि हमारे घर अवैध कैसे हो गए हैं? मांग की जा रही थी कि ध्वस्तीकरण को रोका जाए। हमारी मांग मानकर बड़ी राहत दी गई है। गुंजन शुक्ला ने खुश होकर कहा कि अब हमारे घर नहीं तोड़े जाएंगे।

पूजा खेडकर के बाद उनके माता–पिता का विवाद क्या है?

मुम्बई,एजेंसी। पिछले दिनों पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वीडियो क्लिप में उनकी मां को बंदूक लहराते हुए और भूमि विवाद के एक मामले में पुणे के एक किसान को धमकाते हुए दिखाया गया था।

दो मिनट के वीडियो में मनोरमा बाउंसरों के साथ दिखी थीं और पुणे के मुलशी तहसील में एक जमीन के मालिकाना हक को लेकर किसान से बहस करती हुई दिखाई दी थीं। वीडियो में मनोरमा मराठी में उस व्यक्ति पर चिल्लाते हुए सुनाई दे रही हैं, 'मुझे भूमि अभिलेख दिखाओ। इस भूमि के दस्तावेज पर मेरा नाम है।' हालांकि व्यक्ति ने विरोध करते हुए कहा कि भूमि का यह टुकड़ा उसके नाम पर है। मामला कोर्ट में है।' इस पर मनोरमा उस व्यक्ति को चेतावनी देती सुनाई देती हैं कि वह उन्हें नियम न सिखाए।

मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड पर बरसी तलाक पीड़ित महिलाएं

कहा– ऐसे मौलानाओं को अलग मुल्क बना लेना चाहिए

बरेली। तीन तलाक पीड़ित महिलाओं ने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को आड़े हाथों लिया है। कहा कि जब कभी भी मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण या अधिकार मिलता है तो मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड आड़े आ जाता है। तीन तलाक पीड़िताओं को गुजारा भत्ता देने संबंधी सुप्रीम कोर्ट के आदेश की मुखालफत पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के खिलाफ तलाक पीड़िताओं में आक्रोश है। उनका कहना है कि जब कभी भी मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण या अधिकार मिलता है तो मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड आड़े आ जाता है। तलाक के बाद लंबे समय से वह न्याय के लिए अदालतों में लड़ रही हैं। अगर तलाक पीड़िताओं को गुजारा भत्ता नहीं मिलेगा तो वह अपना जीवन यापन कैसे करेगी? मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने तीन तलाक पर बनाए गए कानून का भी विरोध किया था। इन महिलाओं की मानें तो सुप्रीम कोर्ट का आदेश सही है व सबको इसे मानना चाहिए।

'जो संविधान को नहीं मानते वो इस देश में रहकर क्या करेंगे'

आला हजरत वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष निदा खान ने कहा कि जो लोग संविधान व शरीयत को नहीं मानते, वह इस देश में रहकर क्या करेंगे? उन्हें एक ऐसा मुल्क बनाना चाहिए जिसमें सिर्फ उनका ही आदेश चले। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को कभी भी औरतों को अधिकार देना पसंद ही नहीं आता।

'देश संविधान चलेगा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड से नहीं'

मेरा हक फाउंडेशन की अध्यक्ष फरहत नकवी ने कहा कि जब भी महिलाओं के हक–हुकूक की बात आती है, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड आड़े आ जाता है। इन लोगों को यह समझना चाहिए कि देश संविधान से चलता है, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की राय से नहीं।

'गुजारा भत्ता देने का आदेश बिल्कुल सही'

सबका हक संगठन की अध्यक्ष राफिया शबनम ने कहा कि तलाक पीड़िताओं को गुजारा भत्ता देने का आदेश पूरी तरह से सही है। अगर शरीयत के अनुसार भी तलाक दिया जाता है तो महिला को गुजारा भत्ता देना चाहिए। बोर्ड को यह बताना चाहिए कि बगैर गुजारा भत्ते के मुस्लिम महिलाएं अपना जीवन यापन कैसे करेंगी।

'बोर्ड बताए महिलाओं के लिए उसने क्या किया'

सामाजिक कार्यकर्ता कैसर फात्मा ने कहा कि बोर्ड सुप्रीम कोर्ट के आदेश का विरोध करने से पहले यह बताए कि उसने अब तक मुस्लिम महिलाओं के हक के लिए क्या–क्या काम किए हैं। जब भी मुस्लिम महिलाओं के हक की बात होती है, तब ये लोग ही क्यों खड़े हो जाते हैं।

यूपी विधानसभा अध्यक्ष के घर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी स्वास्थ्य का लिया हालचाल, हुई थी ओपन हार्ट सर्जरी

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के घर पहुंचे और उनका हालचाल लिया। विधानसभा अध्यक्ष की बीते महीने ओपन हार्ट सर्जरी की गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के घर पहुंचे। सीएम ने उनका हालचाल जाना। तबीयत बिगड़ने पर जून में विधानसभा अध्यक्ष का गुरुग्राम में ऑपरेशन हुआ था। सीएम योगी मंगलवार सुबह विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के 16–कालिदास मार्ग लखनऊ स्थित आवास पहुंचे। यहां महाना के परिजनों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका हालचाल जाना फिर विधानसभा अध्यक्ष के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह और सरोजिनी नगर के विधायक राजेश्वर सिंह आदि भी मौजूद रहे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की पिछले महीने ओपन हॉर्ट सर्जरी की गई थी तब से वह स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं।

बोल्डनेस का दूसरा नाम हैं ये ओटीटी अभिनेत्रियां

मुम्बई। एक समय हुआ करता था कि सिनेमाघरों में लोग फिल्म देखने के लिए ब्लैक में टिकट खरीदा करते थे। खिड़कियों पर टिकट के लिए लड़ाई हो जाती है। अब ओटीटी प्लेटफार्म्स ने सिनेमाघरों में होने वाली आपाधापी को कुछ हद तक कम कर दिया। वहीं, ओटीटी पर हर तरह का कंटेंट भी मौजूद है। बोल्ड कंटेंट की तो ओटीटी पर भरमार है। वेब सीरीज में धड़ल्ले से बोल्ड कंटेंट परोसे जा रहे हैं। आज हम ऐसी अभिनेत्रियों की बात करने जा रहे हैं जो इंटिमेट सीन देने में जरा भी नहीं हिचकिचाती।

त्रिधा चौधरी

बॉबी देओल की वेब सीरीज 'आश्रम' में 'बबीता' का किरदार निभाने वाली 'त्रिधा चौधरी' तो आपको याद ही होंगी। इस सीरीज में उन्होंने इंटीमेट सीन देकर पारा हाई कर दिया। उनके बोल्डनेस के चर्चे चारों तरफ होने लगे। वह इंस्टाग्राम पर भी अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करती रहती हैं।

शूलन चोपड़ा

शर्लिन चोपड़ा इस दौड़ में सबसे आगे हैं। शर्लिन चोपड़ा को बोल्डनेस का दूसरा नाम कहा जाता है। सोशल मीडिया पर भी शर्लिन चोपड़ा काफी बोल्ड तस्वीरें और वीडियो साझा करती रहती हैं। शर्लिन ने ओटीटी पर भी अपनी बोल्डनेस से तहलका मचा दिया है। वह 'पौरुषपुर' में बोल्ड सीन दे चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह 'कामासूत्र थ्री डी' में भी नजर आएंगी।

निया शर्मा

अपने करियर की शुरुआत टीवी की संस्कारी बहु से करने वाली अभिनेत्री निया शर्मा भी इस लिस्ट में शामिल हैं। वह इंटिमेट सीन देने में जरा भी नहीं हिचकिचाती। उन्होंने 'ट्विस्टेड' से लेकर 'जमाई राजा पार्ट 2' ऐसे सीन दिए हैं कि आपको यकीन नहीं होगा कि यह वही निया शर्मा हैं।

रसिका दुग्गल

रसिका दुग्गल ने 'मिर्जापुर' में खूब इंटीमेट सीन दिए हैं। इस सीरीज में उन्होंने बोल्डनेस का तड़का लगा के महफिल लूट ली। हालांकि, उन्होंने अपने अभिनय के दम पर दर्शकों की खूब प्रशंसा पाई।

फ्लोरा सैनी और अन्वेषी जैन

ऑल्ट बालाजी की सबसे बोल्ड वेब सीरीज 'गंदी बात' में फ्लोरा सैनी और अन्वेषी जैन ने जमकर इंटीमेट सीन दिए हैं। इस सीरीज में उनके बोल्ड सीन ने खूब बवाल मचाया था।

बायफ्रेंड शिखर पहाड़िया संग शादी पर पूछा गया सवाल

जाह्नवी कपूर ने हाल ही में शिखर पहाड़िया संग अपने रिश्ते को किया कन्फर्म.जाह्नवी कपूर ने हाल ही में शिखर पहाड़िया संग अपने रिश्ते को किया कन्फर्म.

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर पिछले कुछ समय से अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में हैं. वह अक्सर बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ स्पॉट होती हैं. दोनों अक्सर कभी लंच या फिर डिनर डेट पर जाते रहते हैं. इस बीच एक इवेंट में शिखर पड़ाड़िया के साथ शादी को लेकर जाह्नवी कपूर से सवाल किया गया, तो उन्होंने चौंकाने वाला जवाब देकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया. सोमवार को जाह्नवी कपूर ने इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया जिसमें, उन्होंने लिखा, 'दोस्तों. मेरा एक सीक्रेट है. इसे आप लोगों के साथ शेयर करने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं कर पा रही हूं.' बाद में पता चला है कि जाह्नवी कपूर का ये सीक्रेट कुछ और नहीं बल्कि उनकी अपकमिंग फिल्म 'उलझ' का ट्रेलर लॉन्च है.

शादी के सवाल पर क्या बोल गईं जाह्नवी कपूर?

इसके बाद जाह्नवी कपूर शाम को 'उलझ' से जुड़े एक इवेंट में शामिल हुईं. उस दौरान एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि क्या कोई शादी की खबर है? इसके जवाब में जाह्नवी कपूर ने कहा, 'आप पागल हो क्या?'. इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि आखिर वो क्या सीक्रेट है, जिसके बारे में उन्होंने इंस्टा पर पोस्ट किया था. इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'आपको कल पता चल जाएगा.'

शिखर पहाड़िया संग रिश्ते पर लगा चुकी हैं मुहर

जाह्नवी कपूर ने कुछ दिनों पहले ही शिखर पहाड़िया के साथ अपने रिश्ते को कन्फर्म किया है. मिर्ची प्लस के साथ बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि वह शिखर को बहुत कम उम्र से जानती हैं और शुरू से ही दोनों एक–दूसरे के सपोर्ट सिस्टम रहे हैं. जाह्नवी कपूर ने कहा, 'जब मैं 15–16 साल की थी, तब से वह मेरी जिंदगी में है. मेरा मानना है कि मेरे सपने हमेशा से उनके सपने रहे हैं और उनके सपने मेरे. हम एक–दूसरे के काफी करीब हैं. हम एक–दूसरे का सपोर्ट सिस्टम हैं.'

जाह्नवी कपूर की अपकमिंग फिल्में

वर्क फ्रंट की बात करें तो जाह्नवी कपूर पिछली बार फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में नजर आई थीं. शरण शर्मा के डायरेक्शन में बनी फिल्म में जाह्नवी कपूर ने क्रिकेटर की भूमिका निभाई थी. अब वह 'उलझ' फिल्म में नजर आएंगी. इसमें गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यू, राजेश तैलंग, आदिल हुसैन जैसे सितारे अहम किरदारों में दिखेंगे. जाह्नवी कपूर के पास 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' फिल्म भी है. इसके अलावा वह जूनियर एनटीआर की फिल्म 'देवरा' से टॉलीवुड इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं।

@जाह्नवी कपूर

बाहर आते ही बदले चंद्रिका गेरा दीक्षित के सुर अरमान मलिक पर लगे आरोपों पर कही ये बात चंद्रिका ने कहा– पता होता तो दूर रहती

बच्ची के साथ दुष्कर्म के आरोप को लेकर Armaan Malik पर भड़की चंद्रिका दीक्षित

'उसे जीने का हक नहीं...

बिग बॉस ओटीटी 3 को जियो सिनेमा पर स्ट्रीम हुए तीन हफ्ते हो चुके हैं और शो में दर्शकों को लगातार घमासान देखने को मिल रहा है। कृतिका और अरमान मलिक की खास दोस्त बनी चंद्रिका गेरा दीक्षित उर्फ वड़ा पाव गर्ल शो से बाहर आ चुकी हैं। बाहर आते ही अरमान मलिक पर चंद्रिका का गुस्सा फूटा और कहा कि उनके घर में खुद बेटी है।

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी 3 अब एक दिलचस्प मोड़ ले चुका है। तीन हफ्ते पूरे होते–होते इस शो से अब तक पांच कंटेस्टेंट का सफर खत्म हो गया है। लास्ट वीक हुए एविक्शन में जब चंद्रिका गेरा दीक्षित उर्फ वड़ा पाव गर्ल अनिल कपूर के शो से बेघर हुईं तो फैंस को भी धक्का लगा, क्योंकि उन्हें इस सीजन का सबसे मजबूत कंटेस्टेंट माना जा रहा था। उनके घर में एंट्री करने से पहले हर किसी को यही लगा था कि वह इस सीजन की फाइनलिस्ट में से एक बनेंगी, लेकिन ये अरमान अधूरा ही रह गया। घर के 'सरपंच' अरमान मलिक ने तो पहले ही प्रेडिक्ट कर दिया था कि घर से पिछले हफ्ते चंद्रिका ही बेघर होने वाली हैं। अब हाल ही में बाहर आने के बाद चंद्रिका गेरा दीक्षित ने अरमान मलिक को लेकर ऐसे बोल बोले हैं, जिसे सुनकर आपके कान भी खड़े हो जाएंगे।

अरमान मलिक पर भड़की चंद्रिका दीक्षित

चंद्रिका दीक्षित बिग बॉस के घर में खुद को सबसे सच्ची इंसान मानती थीं। उनका मानना था कि वह अपनी आंखों के सामने कुछ भी गलत होते हुए नहीं देख सकती हैं। जब विशाल पांडे ने कृतिका मलिक को सुंदर बुलाया था और उस पर मुद्दा गरमाया था, तो चंद्रिका ने बार–बार वही वजह देकर विशाल को नॉमिनेट किया। घर में उनकी सबसे अच्छी दोस्ती कृतिका मलिक और अरमान मलिक के साथ ही थी। हालांकि, अब बाहर आने के बाद जैसे ही उन्हें ये पता चला कि अरमान मलिक पर एक छोटी बच्ची के साथ दुष्कर्म का आरोप लगा है, तो तुरंत ही चंद्रिका की उनके लिए तारीफ आलोचना में बदल गयी।

वनडे–टेस्ट से संन्यास को लेकर

रोहित ने तोड़ी चुप्पी

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ने हाल ही में रोहित की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप का खिताब जीता था और 11 साल का आईसीसी ट्रॉफी जीतने का सूखा समाप्त किया था। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टी20 विश्व कप में भारत को मिली खिताबी जीत के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 से संन्यास की घोषणा कर चुके हैं। रोहित ने कहा था कि वह भारत के लिए वनडे और टेस्ट में खेलते रहेंगे, लेकिन अब उन्होंने भविष्य को लेकर चुप्पी तोड़ी है। गौरतलब है कि भारत ने हाल ही में रोहित की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप का खिताब जीता था और 11 साल का आईसीसी ट्रॉफी जीतने का सूखा समाप्त किया था। रोहित अमेरिका के डलास में एक कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। रोहित से इस दौरान जब उनके भविष्य को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो आगे के बारे में ज्यादा विचार करते हैं, लेकिन भारतीय कप्तान ने आगे भी खेलने की उम्मीद जताई। रोहित ने कहा, मैं पहले भी कह चुका हूं कि मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो ज्यादा आगे की सोचता है। इसलिए यह स्पष्ट है कि आप मुझे आगे भी कुछ समय तक खेलते हुए देखेंगे।

टी20 में शानदार रहा रोहित का रिकार्ड

रोहित ने टी20 में 159 मैचों में 4231 रन बनाए और उनके नाम इस प्रारूप में सर्वाधिक पांच शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने करियर में दो बार टी20 विश्व कप का खिताब जीता। रोहित 2007 में टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे और अब खुद की कप्तानी में भी उन्होंने यह खिताब जीता। रोहित के साथ ही विराट कोहली ने भी अंतरराष्ट्रीय टी20 से संन्यास ले लिया था। टी20 में भारत को नया कप्तान मिलेगा, लेकिन रोहित वनडे और टेस्ट में टीम की कमान संभालते रहेंगे।

टी20 से संन्यास लेते वक्त रोहित ने क्या कहा था ?

रोहित ने टी20 विश्व कप के खिताबी मैच के बाद कहा था, अलविदा कहने का इससे बेहतर समय नहल हो सकता। यह मेरा आखिरी मैच भी था। जब से मैंने इस प्रारूप को खेलना शुरू किया है तब से मैंने इसका आनंद लिया है। मुझे इसका हर पल पसंद आया है। मैं यही चाहता था। मैं कप जीतना चाहता था।

भारत ने जिम्बाब्वे को 42 रनों से हराया

गिल की कप्तानी में भारत ने 4–1 से जीती सीरीज

अंतिम मैच में संजू का पचासा, मुकेश को मिले चार विकेट

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 167 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे 18.3 ओवर में 10 विकेट पर 125 रन ही बना सकी। भारत ने यह मैच 42 रनों से जीत लिया। पांच मैचों की टी20 सीरीज के अंतिम मुकाबले में भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 42 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने 4–1 से सीरीज अपने नाम कर ली है। इससे पहले भारतीय टीम ने दूसरे (100 रन), तीसरे (23 रन) और चौथे (10 विकेट) टी20 मैच में जीत दर्ज की थी। वहीं, जिम्बाब्वे को पहले मुकाबले में 13 रनों से जीत मिली थी। रविवार को हरारे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए पांचवें टी20 मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 167 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे 18.3 ओवर में 10 विकेट पर 125 रन ही बना सकी। भारत ने यह मैच 42 रनों से जीत लिया। इस मैच में शिवम दुबे को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 26 रन बनाए और दो विकेट चटकाए। वहीं, वाशिंगटन सुंदर को प्लेयर ऑफ द सीरीज के अवॉर्ड से नवाजा गया। उन्होंने कुल 28 रन बनाए और आठ विकेट चटकाए।

जिम्बाब्वे की खराब शुरुआत

168 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत कुछ खास नहीं हुई। टीम को पहला झटका मुकेश कुमार ने दिया। उन्होंने मधवेरे को एक रन के स्कोर पर बोल्ड किया। वह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। इसके बाद मुकेश ने ब्रायन बेनेट को निशाना बनाया और उन्हें शिवम दुबे के हाथों कैच कराया। वह सिर्फ 10 रन बना सके।

मारुमानी–मायर्स के बीच हुई 44 रनों की साझेदारी

इसके बाद मोर्चा मारुमानी और मायर्स ने संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 44 रनों की साझेदारी हुई जिसे नौवें ओवर में सुंदर ने तोड़ा। उन्होंने मारुमानी को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह 27 रन बनाकर आउट हुए जबकि मायर्स 34 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस मैच में सिकंदर रजा ने आठ, कैंपबेल ने चार, मदांडे ने एक, मावुटा ने चार रन बनाए।

अकरम का दमदार प्रदर्शन

भारत के खिलाफ इस सीरीज का अपना पहला मैच खेलने वाले फराज अकरम ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया। इसके बाद बल्ले से भी चमके। उन्होंने 13 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाए। अकरम को 19वें ओवर में मुकेश कुमार ने अपना शिकार बनाया। वहीं, नगारवा ने शून्य और मुजरबानी ने एक रन (नाबाद) बनाया।

भारतीय गेंदबाजों ने बरपाया कहर

भारत के लिए मुकेश कुमार ने कुल चार विकेट विकेट चटकाए। उन्होंने मधवेरे, बेनेट, अकरम और नगारवा को आउट किया। इसके अलावा शिवम दुबे ने दो विकेट चटकाए जबकि तुषार, सुंदर और अभिषेक को एक–एक सफलता मिली।

जायसवाल ने पहली गेंद पर जड़े 13 रन

भारत की शुरुआत इस मुकाबले में शानदार हुई। यशस्वी जायसवाल ने पारी की पहली ही गेंद पर 13 रन बनाए। दरअसल, सिकंदर रजा ने पहली गेंद नो फेंकी थी जिस पर जायसवाल ने छक्का जड़ा। इसके बाद उन्होंने फ्री हिट का फायदा उठाते हुए एक और छक्का लगाया। हालांकि, इस ओवर की चौथी गेंद पर रजा ने उन्हें बोल्ड कर दिया। इसके बाद अभिषेक शर्मा बल्लेबाजी के लिए आए जो सिर्फ 14 रन बना पाए। पावरप्ले में भारत ने तीन विकेट गंवाए। कप्तान गिल का बल्ला भी आज खामोश रहा। वह सिर्फ 13 रन बना पाए।

सैमसन ने जड़ा टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा अर्धशतक

इसके बाद मोर्चा संजू सैमसन और रियान पराग ने संभाला। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 65 रनों की साझेदारी हुई। 15वें ओवर में मावुटा ने पराग को अपना शिकार बनाया। वह 22 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, संजू सैमसन 58 रनों की तूफानी पारी खेलकर पवेलियन लौटे। उन्होंने 39 गेंदों में अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा अर्धशतक जड़ा। विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी इस पारी के दौरान एक चौका और चार छक्के लगाए। इस मैच में शिवम दुबे ने 26 रन बनाए। वहीं, रिंकू 11 और सुंदर एक रन बनाकर नाबाद रहे। जिम्बाब्वे के लिए मुजरबानी ने दो विकेट लिए जबकि रजा रिचर्ड और मावुटा को एक–एक विकेट मिला।

पाकिस्तान के पूर्व आलराउंडर ने दुनिया का हुआ निधन
बिली इब्दुल्लाह ने टेस्ट डेब्यू में जड़ा था शतक
88 साल की उम्र में बिली इब्दुल्लाह ने दुनिया को कहा अलविदा

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर बिली इबादुल्ला ने 88 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया। साल 1964 में कराची में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करने वाले बिली ने शतक जड़कर इतिहास रचा था। उनका क्रिकेट करियर भले ही छोटा रहा लेकिन उन्होंने जितने भी मैच खेले उसमें उन्होंने अपना पूरा योगदान दिया। उनके निधन से पाकिस्तान क्रिकेट में शोक की लहर दौड़ पड़ी है।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर बिली इब्दुल्लाह का 88 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनका क्रिकेट करियर भले ही छोटा रहा, जहां उन्होंने साल 1964 से लेकर 1967 अपने करियर में सिर्फ 4 टेस्ट मैच खेले, लेकिन वह टेस्ट डेब्यू में शतक जड़ने वाले पहले पाकिस्तान खिलाड़ी रहे।

इब्दुल्लाह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1964 में टेस्ट डेब्यू किया था और पहली पारी में उन्होंने 166 रन बनाए थे। उन्होंने अपने साथी डेब्यूटेंट और विकेटकीपर अब्दुल कादिर के साथ 249 रन की ओपनिंग साझेदारी की थी। ये एक ऐसी साझेदारी रही, जिससे 1997 में आमिर सुहेल और इजाज अहमद ने तोड़ दिया। दरअसल, पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर बिली इबादुल्ला (ठपससल ।इकनससं) ने अपने करियर में इसके अलावा केवल तीन और टेस्ट खेले, जहां उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 32 रन का था। इस दौरान उन्होंने एक विकेट भी चटकाया था। वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक सफल बल्लेबाज थे। उन्होंने 27.28 की औसत से प्रथम श्रेणी 17,078 रन बनाए और 30.96 की औसत से 462 विकेट लिए। वहीं, 64 लिस्ट ए मैच में इब्दुल्लाह ने 829 रन बनाए और कुल 84 विकेट अपने नाम किए। इबादुल्लाह ने 20 फर्स्ट क्लास मैचों और 12 लिस्ट ए मैचों में में अंपायरिंग भी की। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ एक प्राइवेट कोचिंग क्लेनिक भी चलाते थे। वहीं, उनका बेटा कसीम इब्दुल्लाह ने 31 क्लास गेम और 19 लिस्ट ए गेम खेले।

क्लब में इबादुल्ला के साथ खेलने वाले वार्विकशायर के अध्यक्ष डेनिस एमिस ने अपने पूर्व साथी को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा कि वह एक खास क्रिकेटर थे, महानतम क्रिकेटरों में से एक और हमने साथ में बहुत मजेदार समय बिताया। वह कभी–कभी वास्तव में शरारती हो सकता है, लेकिन उसे जितना अच्छा मिलता है वह अपनी तरफ से पूरा योगदान देता है। वारविकशायर में हम उससे प्यार करते थे।

पाकिस्तान की गीदड़ भभकी

कहा– अगर भारतीय टीम चैंपियंस टाफी के लिए नहीं आई तो...

पाकिस्तान में होगा चैंपियंस ट्रश्नफी 2025 का आयोजन
ठब्ब्प् ने हाइब्रिड माडल में टूर्नामेंट का आयोजन करने की मांग
की भारतीय टीम ने 2008 में किया था पाकिस्तान का दौरा

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद अब अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होगा। टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान को करनी है। कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने ICC से चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के वेन्यू में बदलाव की मांग की है। बोर्ड ने हाइब्रिड मॉडल में टूर्नामेंट का आयोजन कराने का आग्रह भी किया है। ऐसे में भारतीय टीम अपने मुकाबले पाकिस्तान के बजाए अन्य देश में खेलेगी। अब पाकिस्तान की ओर से भारतीय टीम को गीदड़ भभकी मिली है।

2026 में भारत नहल आएगी पाकिस्तान टीम

अगर भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करती है तो पाकिस्तानी क्रिकेट टीम भारत की मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 का बहिष्कार करेगी। जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक अगर भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करती है तो पाकिस्तान 2026 में भारत की यात्रा नहीं करेगा। आईसीसी का वार्षिक सम्मेलन 19–22 जुलाई के बीच कोलंबो में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए हाइब्रिड मॉडल की किसी भी योजना का विरोध करेगा।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।